# परिशिष्ट–(XII)

# संताली भाषा

## खण्ड 'क'

(i) **व्याकरण** – भाषा परिचय, संज्ञा, सर्वनाम, वचन, लिंग, पुरूष, क्रिया, काल, विशेषण अव्यय, प्रत्यय, पहेलियाँ मुहावरे, भेनताकाथा, बुझोबोल, कुद्रुम, सजीव–निजींव, समोच्चरण भिनार्थक अर्थ, लकोक्ति।

## खण्ड 'ख'

(ii) साहित्य –

**संताली लोक साहित्य** – अर्थ, परिभाषा, भाग–विभाग, संतालों का उद्‌भव और विकास, गोत्र विभाजन, गाढ़ विभाजन, पर्वत्यौहार, संस्कार विवाह, मृत्यू।

**लोक गीत –** डाहार, बाहा, सोहराय काराम, दोङ, विबाह, दाँसाय।

**संताली शिष्ट साहित्य –** कविता–कुङकुरुबुद, (हरिहर हाँसदा), साँवहेंत्, (बादल मुर्मू), माराङोः, (सारदा प्रसाद किस्कू), सेंगेल, बिरसा मुण्डा, (के० सी० टुडू), तुपुनघाट, (रघुनाथ टुडू). साना (डमन हाँसदा), राहला रिमिल (डमन हाँसदा), चेहरा (श्यामचरण हेम्ब्रम)।

## खण्ड 'ग'

**लोक कथा** – धारती सिरजाव काथा, मानवा सिरजाव काथा पारिस काथा, सेंदराकारका काथा, पाराब पुना काथा।

**कहानी–** माड़घाटी, (दिगम्बर हाँसदा), तारा आञचार, (के० सी० टुडू), आनखा लाहा, (सोभानाथ बेसरा), काथा रेनाङ गोनोङ, (चमपावती टुडू)

**नाटक** – किरिञ सिंदुर, तिलका मुरमू ।

**निबंध** – सिदो कानहू हुल, बाबा तिलका माँझी हुल, डिबा किसुन हुल, बिरसा आन्दोलन, पर्व–त्यौहार, आगिल हापड़ाम कोवाः काथा।

# खड़िया भाषा

## खण्ड 'क'

**व्याकरण –** वर्ण विचार, संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, कारक, विशेषण, काल, क्रिया, समास, अव्यय, वाच्य, वाच्य के भेद, विपरीतार्थक शब्द, पर्यायवाची शब्द।

## खण्ड 'ख'
## पद्य साहित्य

(1) लोकगीत :– खड़िया लोकगीत की परिभाषा, वर्गीकरण 10 विविध लोकगीत

(2) शिष्टगीत :–

1. सेनेल – नुवस केरके'ट्टा
2. जोहार – प्यारा केरके'ट्टा
3. गलगाथा क्रूस दारू तो'मलुङ ताय – पादरी सामुएल बागे
4. दुरङनानिङ आलोङनानिङ दारू तेगा – श्री सामुएल बागे
5. ए अपा
6. सेनेल
7. धाइन तेरतेले
8. कि'तुङ' अपा
9. उमिञ चोना – डॉ. अनिल वीरेन्द्र कुल्लू
10. भंइहर पो'दा – सुं. प्रफुल्ल सोरेङ

**(3) कविताएँ :–**

1. लमलम – प्यारा केरके'ट्टा
2. 26 जनवरी – प्यारा केरके'ट्टा
3. महाजियोम गाँधी – प्यारा केरके'ट्टा
4. झाड़ी धरम मोञ – प्यारा केरके'ट्टा
5. किनिर– प्यारा केरके'ट्टा
6. घोल मोलोय अगस्त
7. लोटा' डा' – मेरी एस. सोरेङ
8. नेडा' साड़ा
9. बेताङ
10. आदिबासी अम' कहनी

## खण्ड 'ग'
## खड़िया गद्य साहित्य

**(1) लोक कथा** :– (दस लोककथाएँ) – अनुष्ठान संबंधी कथाएँ, हास्य–व्यंग्यपूर्ण कथाएँ, अलौकिक तत्वों से युक्त कथाएँ, पशु–पक्षी संबंधी कथाएँ, सामाजिक कथाएँ तथा परी कथाएँ।

(1) सुगी ओडो' मुनी
(2) कुली बूढ़ी
(3) ढेला रो उल'
(4) कोन्होर रो लोङगोय
(5) टेटेटोहों'ज
(6) साँखी रो कोइली
(7) कोनजो' के'ढिङ
(8) चुटिया रो केंडो'ड
(9) कुरकुर से बेइचडोम
(10) लिटिया ओडो' चुटिया

(2) **शिष्ट कहानी (आधुनिक कहानियाँ)** :–

(1) मोञ बिता ला'ज – प्रो० मेरी एस० सोरेङ
(2) लूर धो' मसटर – सु० पतरस बा'
(3) बोरजा' – प्रो. मेरी एस० सोरेङ
(4) बुधवा' कोरमो – सु. पतरस बा'
(5) महाकिमिन – सु. कुमार बा'
(6) जिनगी उम बोनेता बायना होयता – सु. जुएल सोरेङ
(7) राजा बेटा' बराकाईत – श्री जुलिमुस बा'
(8) इना सुग्गी उम तोरो'ताम – रोज टेटे

**(3) खड़िया नाटक** :– सिलिम खोड़ी या' सोमरा – इलियस बा'

**(4) साहित्यिक निबंध** :–

(1) प्यारा केरकेट्टा
(2) जुलियुस बा'
(3) डॉ० रोज केरके'ट्टा
(4) डॉ० माथियस डुङडुङ
(5) डॉ० जोवा किम डुङडुङ
(6) डॉ० आर. पी. साहू
(7) डॉ० अनिल वीरेन्द्र कुल्लू
(8) डॉ० मेरी एस. सोरेङ

# Odia Language and Literature

1. Grammar :-

Barna, Shabdagathana, Linga, Bachana, Karaka, Bibhakti, Sandhi, Samasa, Yugma Shabda, Bhinnarthaka Shabda, Anekarthaka Shabda, Biparitarthaka Shabda, Krudanta, Taddhita O Chhanda, Alankara.

2. Bhasha Bhaga :-

A. Bhasha

B. Upabhasha

C. Bhasha Parivartanara Karana O Diga

D. Dhwoni Parivartanara Karana O Diga

E. Artha Parivartanara Karana O Diga

3. Padya Bhaga :-

A. Loka Geeta (Doli Geeta, Karama Geeta, Tusu Geeta, Bibaha Geeta O Kandana Geeta)

B. Shrimad Bhagbat - Jagannath Das

C. Rasakallola - Dinakrushna Das

D. Tapaswini - Gangadhara Meher

E. Kishora Chandrananda Champu - Kabisurya Baladeva Rath

F. Kalijai - Godabarisha Mishra

G. Kara Kavita - Gopabandhu Das

H. Shriyachandaluni - Radhamohan Gadnayak

4. Gadya Bhaga :-

A. Loka Kahani (Rupakatha, Upakatha, Osha O Bratakatha, Pashupakhyira Katha)

B. Rebati - Fakir Mohan Senapati

C. Aneka Smita Hasa - Manoj Das

D. Chha Mana Atha Guntha - Fakir Mohan Senapati

E. Paraja - Gopinatha Mahanti

F. Konarka - Ashwini Kumar Ghosh

G. Ghara Sangsara - Rama Chandra Mishra

H. Abishkara - Manoranjan Das

# पंचपरगनिया

## खण्ड 'क'

**व्याकरण** :–वर्ण विचार, संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, कारक, विशेषण, काल, क्रिया, समास, अव्यय, वाच्य, वाक्य के भेद, विपरीतार्थक शब्द, ऊनार्थक शब्द ।

## खण्ड 'ख'

## पद्य साहित्य

**लोकगीतः–**

1. पंचपरगनिया लोकगीत
2. लोकगीत की परिभाषा और महत्व
3. पंचपरगनिया लोकगीतों की विशेषताएँ
4. पंचपरगनिया लोकगीतों में भाव, रस, छंद और कला सुन्दरइ
5. पंचपरगनिया लोकगीतों में प्रकृति चित्रण
6. पंचपरगनिया करम गीतों के प्रकार
7. पंचपरगनिया विवाह गीतों का वर्गीकरण
8. पंचपरगनिया टुसू गीतों का वर्गीकरण
9. पंचपरगनिया विवाह गीतों का भाव सौन्दर्य
10. संहरइ गीतों का वर्गीकरण।

**शिष्टगीत / कविताएँ–**

1. सावन मास – सृष्टिधर महतो 'समीर'
2. झागड़ा – सृष्टिधर महतो 'समीर'
3. रावन बध – डॉ० चन्द्रमोहन महतो
4. जीवन पथेक फूल – परमानन्द महतो
5. जीवन पथेक फूल – राजकिशोर सिंह
6. बांबरा (कविता संग्रह) – दिनबंधु महतो एवं परमानन्द महतो
7. महुआ रस – सहोदर खंडित

## खण्ड 'ग'

**लोककथाः–** पंचपरगनिया लोककथा, संपादक–परमानन्द महतो

1. करमा धरमा केर काथा
2. बारहा आर भालू
3. सतनाराइन काथा
4. जितुआ बरत केर काथा
5. बिएजरी आर पाँचपरी
6. ठकुआ आर भिखुआ
7. मामा–भगिना
8. बिन बापेक छुआ
9. पँठी सनी
10. चालाक बिलाइ

**नाटकः–**1. इंजत – राजकिशोर सिंह

**शिष्टकहानीः–** जदि एसन हतक हले का हतक– संतोष साहु 'प्रीतम'

**साहित्यकारः–**

1. ज्योतिलाल महादानी
2. परमानन्द महतो
3. राजकिशोर सिंह
4. सृष्टिधर महतो
5. संतोष साहु 'प्रीतम'
6. दीनबंधु महतो
7. चन्द्रमोहन महतो
8. करमचन्द अहीर

# नागपुरी भाषा

## खण्ड– 'क'

**व्याकरण** :– वर्ण विचार, संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, कारक, विशेषण, काल, क्रिया, समास, अव्यय, वाच्य, वाक्य के भेद, विपरीतार्थक शब्द, ऊनार्थक शब्द ।

## खण्ड– 'ख'

## पद्य साहित्य

1. **नागपुरी भाषा के लोकगीत** :– लोकगीत की परिभाषा, नागपुरी भाषा के लोकगीतों का वर्गीकरण, दस (10) विविध गीतों का अध्ययन।

1. संस्कार गीत – 03
2. पर्व–त्योहार गीत – 03
3. श्रम गीत – 01
4. बाल गीत – 01
5. ऋतु गीत – 01
6. सामान्य गीत – 01

**2. शिष्ट गीत/कविताएँ** :–

**(क) कविताएँ**

1. जागा–जागा – सी. डी. सिंह
2. बिरसा तोर इयाइद में – क्षितिज कुमार राय
3. नागपुरक भाइमन – भीम महतो
4. जेठ मास आति – भरत नायक
5. तुलसी आउर कैकटस – धरेन्द्र प्रवाही
6. तोर बेतरा में – गिरिधारी राम गौंझू 'गिरिराज'

7 नावाँ सालक नावाँ गीत – कुमारी बासन्ती

8. गाँव कर सांझ – पांडे रवीन्द्र नाथ राम

9 मुलुक भारत – अजीज अंसारी

10. जगत जननी – शकुन्तला मिश्र

**(ख) गीत** :–

1. पोड़िलो बरखा ऋतु – रघुनाथ नृपति
2. छोडु कपटी माया – बरजु राम
1. पापी प्राण छुटे नहीं झट के – महंत घांसी
4. ठरू दाता दिगम्बर – घासी राम

5 उमड़ि गगन घन घमंड – कवि कंचन

6 अरजुन कहत बियारी – जगनिवास नारायण तिवारी

7. संवत पैंसठी साल – दृगपाल राम देवघरिया
8. कड़कि उठलक तलवारी – प्रफुल्ल कुमार राय
9. सावन घटा – नईमउद्दीन मिरदाहा
10. आजादी खातिर – रणविजय नाथ शाहदेव

## खण्ड– 'ग'

## गद्य साहित्य

**1. नागपुरी लोककथाः–** नागपुरी भाषा की कोई दस (10) लोककथाएँः–

1. कंगन आउर चुरी
2 भाइग कर खेइल
3. टुसुट भेंडा
4. मयना आउर बुट
5. बेलमइत रानी
6. कमल आउर केतकी
7. चोचा चरइ आउर राजा
8. छोटकी रानी
9. बनहरिनी कर बेटा
10. बिन्दुलिया रानी

**2. शिष्ट कथाएँः–** नागपुरी भाषा की आठ आधुनिक कहानियाँः–

1. एक चकता रउद – प्रफुल्ल कुमार राय
2. बिंझिया – शारदा प्रसाद शर्मा
3. रद्दी कागज – डॉ. बी.पी. केशरी
4. क्रिसमस कर सांझ – डॉ. कुमारी बसन्ती
5. भोटांग डहर – पंचम साहु
6 मनपुरन – रणविजय नाथ शाहदेव
7. भाइग – प्रमोद कुमार राय
8 मांदी – डॉ. उमेश नंद तिवारी

**3. नाटक –** ठाकुर विश्वनाथ साही – डॉ. विसेश्वर प्रसाद केशरी

4. **साहित्यिक निबंध** :– नागपुरी भाषा के किन्हीं आठ (8) साहित्यकारों का जीवन–परिचय एवं उनकी कृत्तियों का अध्ययनः–

नागपुरी के साहित्यिक निबंध

1. प्रफुल्ल कुमार राय
2. मृत्युंजय नाथ शर्मा
3. कवि रत्न शारदा प्रसाद शर्मा
4. सहनी उपेन्द्र पाल नहन
5. डॉ. बी.पी. केशरी
6. नईमउद्दीन मिरदाहा
7. डॉ. गिरिधारी राम गौंझू 'गिरिराज'
8. डॉ. कुमारी वासंती

# कुरमाली

## खण्ड 'क'

**व्याकरणः–** वर्ण विचार, संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, कारक, विशेषण, काल, क्रिया, समास, अव्यय, वाच्य, वाक्य के भेद, विपरीतार्थक शब्द, ऊनार्थक शब्द।

## खण्ड 'ख'

### गद्य साहित्य

1. **लोककथा :–**
   - (1) बांदना (सेंहरेइ परब)
   - (2) टसर राजा
   - (3) निसारथि के भगवान सारथि
   - (4) साधन
   - (5) लिलुक कसनि
   - (6) माछेक हांसी
   - (7) पुइतू
   - (8) सियारेक मांदेइर
   - (9) राजा घारे बिहा
   - (10) धीरजे कारज सिद्ध

2. **आधुनिक कहानी** –
   - (1) छटपटी – बसंत कुमार मेहता
   - (2) बानछा – डॉ० एच० एन० सिंह
   - (3) दिसा – निरंजन माहतअ
   - (4) ढेंकि सांप – सुनिल माहतअ
   - (5) धखा – अनन्त माहतअ
   - (6) धनेक गरब – डॉ० एच० एन० सिंह
   - (7) मकरी – डॉ० एच० एन० सिंह
   - (8) गाछ भगवान – डॉ० एच० एन० सिंह
3. नाटक – केरिआ बहु– कालिपद महतो
4. साहित्यकारः– डॉ0 नन्द्र किशोर सिंह, लखीकान्त महतो, केशव चन्द्र महतो, बसन्त कुमार मेहता, अनन्त महतो, डॉ० मानसिंह महतो, खुदी राम महतो, डॉ० हरदेव नारायण सिंह।

## खण्ड 'ग'

## पद्य साहित्य

1. लोकगीतः– लोकगीत की परिभाषा, कुरमाली लोकगीतों का वर्गीकरण कुरमाली लोकगीत – विवाहगीत, डमकच, उधवागीत, ढपगीत डांइड़धरा गीत (पांतागीत), करम, एढ़ेइया, बादंना (सोहराई) खेलगीत, बालगीत (छवा भुला गीत)

2. शिष्ट गीत :–

(1) "जे विधि जनम देला, ताहा के बिसरी गेला।''

(2) "सयने सपने देखी, पलके ना परे आँखी।''

(3) ''रितु बंसत भेल, मर पिया काहां गेल।''

(4) ''लाल कमल दहे, फूल माला उपजये।''

(5) "वृन्दावने फुटीगेला, नाना जाति फूल गो।''

(6) ''भादर मासे सैंया मर पड़ली बेजार, इामें नाचब कइसे।''

(7) ''सुइया मुही बुढ़ियांइ, जीवने सांतावली गो।" – भीमचरण

(8) "पिया पिया जातिया, बरसा बिती गेल रे।" – बाउलदास

(9) ''आवल माधव बहे मन्द पवनवा।''–तुलसीदास

(10) ''आवल बरिसा हित, हुदकी उठल चित्त।''

**आधुनिक कविताएँ :**

(1) उड़ीस

(2) जागरण

(3) गनति

(4) एकटा गाछे दुइटि चेरेइ

(5) जाहाँक झांक तारि

(6) भगुआ पिंधाक तरहअ

(7) बिडुल

(8) बिसरिस ना मांइ

(9) धंधौरा

(10) तोंय कन

# Urdu Language and Literature

**(A)**

I. ZABAAN (LANGUAGE)

(1) HINDUSTANI KA IRTIQA

(2) URDU ZABAAN KI PAIDAISH: NAZARYAAT AUR HAQAIQ KA JAIZA

(3) JHARKHAND KI QABAILI ELAAQAI ZABAANEN

(4) JHARKHAND MEN URDU

**(B)**

II. QAWAID (GRAMMAR)

(1) MUTRADIFAT, ISM MOSAGGHAR WA MOKABBAR

(2) SAABIQA WA LAAHIQA, ZARBUL MASL

**(C)**

III. **SHAYERY (POETRY)**

**GHAZAL** (1) ULTI HO GAYIN SAB TADBEEREN KUCHH NA DAWA NE KAAM KIYA (MEER)

(2) FAQEERANA AAYE SADA KAR CHALE (MEER)

(3) DILE NADAN TUJHE HUWA KIYA HAI (GHALIB)

(4) DAYAM PADA HUWA TERE DAR PER NAHIN HUN MAIN (GHALIB)

**NAZM** (5) LENIN KHUDA KE HUZOOR MEN (IQBAL)

(6) EK AARZOO (IQBAL)

(7) NISAR MAIN TERI GALIYON KE AYE WATAN KE JAHAN (FAIZ)

(8) MUJH SE PAHLI SI MOHABBAT MERI MAHBOOB NA MANG (FAIZ)

**(D)**

III. **NASR (PROSE)**

NOVEL (1) FIRE AREA (ILYAS AHMAD GADDI)

AFSANA (2) PARINDA PAKADNE WALI GADI (GHAYAS AHMAD GADDI)

(3) NIRVAAN (ZAKI ANWAR)

(4) MRS. JOHN (SHEEN AKHTAR)

# खोरठा भाषा

## खण्ड 'क'

**व्याकरणः**– खोरठा भाषा का वर्ण विचार, संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, कारक, विशेषण, काल, क्रिया, समास, अव्यय, वाच्य, वाक्य के भेद, विपरीतार्थक शब्द, उनार्थक शब्द ।

## खण्ड– 'ख'
## पद्य साहित्य

1. **खोरठा भाषा के लोकगीत** :– लोकगीत की परिभाषा, परिचय, खोरठा भाषा के लोकगीतों का वर्गीकरण, दस (10) विविध गीतों का अध्ययन।

1. संस्कार गीत (विवाह गीत, सहियारी गीत, छठियारी गीत) –03
2. पर्व–त्योहार गीत (करम गीत –2, सोहराइ गीत– 1)–03
3. श्रम गीत –01
4. बाल गीत –01
5. ऋतु गीत –01
6 सामान्य गीत –01

**2. शिष्ट गीत/कविताएँ** :– खोरठा भाषा की दस (10) प्रतिनिधि कविताएँ एवं दस (10) गीत

(क) **कविताएँ** – एक पथिया डोंगल महुआ" (संकलन/संपादक– संतोष कुमार महतो) से

प्रथम दस (10) कविताएँ।

**(ख) गीत** :–

1. माँदइर बाजे रे, बाँसी बाजे रे – सुकुमार
2. बोने पाकलइ सयाँ कोइर – दिनेश दिनमणि
3. सोहान लागे रे – शांति भारत
4. कते सुंदर छोटानागपुर – दीपक सवाल
5. हामर भारत महान – अम्बुज कुमार
6. मिली के रहिहा – प्रदीप कुमार दीपक
7. साँझे हाँसइ झींगा फूल – महेन्द्र नाथ गोस्वामी
8. बोन रक्षा जीवन रक्षा – अनीता कुमारी
9. सेंवातिक बाउँड़ी मेला – सुभद्रा कुमारी
10. जय माँय जननी – शिवनाथ प्रमाणिक

**खण्ड– 'ग'**

**गद्य साहित्य**

1. **लोककथा** :– खोरठा भाषा की दस (10) लोककथाएँ:–

    1. सात भाय एक बहिन
    2. धनेक धधइनी
    3. बुढ़ा बुढ़ी आर सात पीठा
    4. गुदपुचु रानी आर कउआ
    5. गोहाइल परब
    6. बुढ़ी आर ओकर नाती
    7. दू बिहाक दुरगति
    8. केतकी फूल
    9. लुइरगर बेटी छउआ
    10. खुँटा भितर चिंयाँ गोटा

2. **शिष्ट कहानी** :– खोरठा भाषा की आठ आधुनिक कहानियाँ :–

| | |
|---|---|
| 1. छाँहइर | 2 बोनेक लोर |
| 3. हाम जीयब कइसें | 4. नावा जिमीदार |
| 5. उबार | 6 जिनगिक डोंआनी |
| 7. ओद दीदा | 8. हुब |

3. **नाटक** – चाभी–काठी, लेखक – श्रीनिवास पानुरी

4. **साहित्यिक निबंध** :– आठ (8) साहित्यिक निबंध

    1. भाइ–बहिन के शुभ प्यार के प्रतीक परब करम (निबंध)

    2 फूल कर परब सरहुल आर तकर प्रासंगिकता (निबंध)

5. **निम्नलिखित खोरठा साहित्यकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर निबंध :–**

    भुवनेश्वर दत्त शर्मा व्याकुल, श्रीनिवास पानुरी ए.के. झा, विश्वनाथ दसौंधी 'राज', विश्वनाथ नागर, शिवनाथ प्रमाणिक, श्याम सुंदर महतो 'श्याम'

# हो भाषा

## खण्ड 'क'

**व्याकरणः–**वर्ण विचार, संज्ञा, सर्वनाम, लिंग वचन, कारक, विशेषण, काल, क्रिया, समास, अव्यय, वाच्य, वाक्य के भेद, विपरीतार्थक शब्द, पर्यायवाची शब्द।

## खण्ड 'ख'

पद्य साहित्य

**शिष्ट गीत**

(1) तेतेः चन्डु
(2) गोलनचि बा
(3) अबुअ झारखण्ड
(4) लको बोदरा
(5) सिंगि
(6) हर्ताहसा
(7) जोनोम दिसुम
(8) दुल सुनुम जुलो चा
(9) अबुआ नमा भारत
(10) दिसुम लगिड्

**कविताएंः–**

(1) गुसिया – बागुन बोदरा
(2) होयो गमा – पूर्णचन्द्र बिरुवा
(3) जिबनान बाड़ा – मदन बानरा
(4) हुदा समाज – सोनेया कुमार तियु
(5) जिबोन – नीरज जगमोहन सिंकु "चिनगारी"
(6) राष्ट्रीय पर्व
(7) जाति अन्डो दिसुम लगिङ
(8) हर्ताहसा रे टोंयोल
(9) अले जीबोन रे
(10) नबु दिसुम रे

**अपनी भाषा के लोकगीत –**

– लोकगीत की परिभाषा

– अपनी भाषा के लोकगीतों का वर्गीकरण

**लोकगीत (विविध) 10 गीत (मागे गीत 3, बा गीत 4, विवाह गीत 3)**

## खण्ड 'ग'

## गद्य साहित्य

1. **लोककथा–**

(1) डोंडा हो
(2) इचः बा
(3) कुला ओन्डोः बर्रान्ड
(4) काः ओन्डोः रमिया गरोवा
(5) हो ओन्डोः सेता
(6) काना दादा
(7) हपानुम
(8) केपरा तुयु

2. **शिष्ट कहानी** –

(1) मेंजारि – प्रिति तियु
(2) डडु चनटु – दमयन्ती पिंगुवा
(3) सीनी ओन्डोः अयः अपसराय किंग
(4) चम्पु ओन्डो दोसमा
(5) लोदे काका
(6) सेंया होरा
(7) सरजोम सकम (प्रदीप कुमार बोदरा)
(8) हरावयन रयो दइयना

3. **नाटक** – षार होरा भाग –2

4. **साहित्यहिक निबंधः–**

(1) सामू चरण तुबिड
(2) डॉ० देवेन्द्र नाथ सिंकु
(3) डॉ० जानुम सिंह सोय
(4) घनश्याम गागराई
(5) चन्द्र मोहन पाट पिंगुवा
(6) डॉ0 दमयन्ती सिंकु
(7) डोबरो बुड़िउली
(8) डॉ0 प्रदीप कुमार बोदरा

# मुण्डारी भाषा

## खण्ड 'क'

**व्याकरणः–** वर्ण विचार, संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, कारक, विशेषण, काल, क्रिया, समास, अव्यय, वाच्य वाक्य के भेद, विपरीतार्थक शब्द, समानार्थक शब्द।

## खण्ड 'ख'

### पद्य साहित्य

1. **लोकगीतः–** i.लोकगीतों की परिभाषा, लोकगीतों का वर्गीकरण

   ii. लोकगीत– 'बासुरी बज रही' पुस्तक से गीत सं0–11, 13, 214, 167, 349

   –'अनायुम दुराङ' पुस्तक से गीत सं0–101, 104, 231, 252, 370

2. **शिष्टगीत/कविताएँः–** –'हिसिर पुस्तक से गीत सं0–68, 77

   –'सेलेद' पुस्तक से गीत स०– 1, 4

   –बम्बरू पुस्तक से गीत सं0 – 3, 4

   –ससं बा पुस्तक से गीत सं०– 56, 61

   –सुड़ा संगेन पुस्तक से गीत सं०– 13

   –मनोवा–मनोवा रे बिनगा बनोःअ

## खण्ड 'ग'

### गद्य साहित्य

1. **लोककथाः–**

   1 बा नेग

   2. कराम कानि

   3. सोराइ

   4. लीमन आद् रागोसा

   5. होनः चतुर

   6 गाड़ीअः सोंगोति

   7. देशेपुती राजा

   8 ए हगेया कोवः होन मिसी ''पिरी''

   9. मेद आद् सोना दिदि

   10 गुपिन कोवः बा

2. **शिष्ट कहानी**–

1. कुलाए कोअः बलाए
2. बिर होनाः नावा इनुङ
3. संदु आर बिंदि
4. बुरू कुला सेंदेरा
5 बिरसा जिमिदार कोअःए जगर एटेः जदा
6. रइगड़ा सअः एते एरे को अउजदा
7. बिरसा सिदा सिदाए सबोः तना
8 पिड़ियुद चेंड़े तुदका रेए उकुः जन रअ कानि

3. **नाटक**– मरड. गोमके जयपाल सिंह मुण्डा

4. **साहित्यकारों का जीवन परिचय एवं उनकी कृतियाँः**

1. बुद्ध बाबु
2. काशीनाथ सिंह मुण्डा 'काण्डे'
3. डॉ० रामदयाल मुण्डा
4. डॉ0 मनमसीह मुण्डू
5. भैयाराम मुण्डा
6. डॉ0 एस. ए. बी. डी. हंस
7. डॉ0 मनसिद्ध बड़ायऊद
8. मेनास ओड़ेया

# बांगला भाषा

1. GRAMMAR : KARAK, BIBHAKTI, EK BAKYA PRAKASH

**POETRY:** **A.) SANCHAITA : Rabindranath Thakur**

- Parash Pathar
- Ebar Firao More
- Aamar Matha Nato Kore
- Balaka
- Eaikyataan

**B.) MADHUKARI (EDITED BY KALIDAS ROY)**

| | | |
|---|---|---|
| a) Era Jadi Jane | - | Kamini Roy |
| b) Jiban Bandana | - | Kaji Najrul Islam |
| c) Aar Kichhu nahi Sadh | - | Budhadev Basu |
| d) Purano Kagojer Feriwala | - | Premendra Mitra |
| e) Hat | - | Jatindranath Sen Gupta (Kabita Sankalan) |

**PROSE:**

| | | |
|---|---|---|
| a) Krishnakanter will | - | Bankim Chandra Chattopadhyay |
| b) Pather Panchali | - | Bibhuti Bhushan Bandopadhyay |
| c) Mukut (Drama) | - | Rabindranath Thakur |
| d) Sajano Bagan (Drama) | - | Manoj Mitra |

e) Sahityer Rup O Reeti:

Mahakabya, Geetikabya, Tragedy, Comedy.

**Literary Essay:-**

1. Micheal Madhu Sudan Dutta
2. Bankim Chandra Chattopadhyay
3. Rabindranath Thakur
4. Sharat Chandra Chattopadhyay
5. Kaji Nazrul Islam
6. Bibhuti Bhushan Bandopadhyay
7. Tarashankar Bandopadhyay
8. Jibonanando Das

# कुँड़ुख

## खण्ड–क

**कत्थअइनः**– तोडन अख़'आ, पिंञ्जका, उइजी पिंञ्जका, मेःद, गनया, ननतु'उद, गुणख़ी, परिया, ननना (नलङ), समका, अव्यय, वाच्य, बकपून ही ड़ाड़ा, बिड़दो बक्क, संगी बक्क।

## खण्ड –ख

पद्य साहित्य

1) **डंडी** – डंडी ही बकसोर, डंडी घी डाड़ा, बेंजा डंडी, करम डंडी, ख़द्दी डंडी, असारी डंडी, धुड़िया डंडी, जदुरा डंडी, जतरा डंडी, लुझकी डंडी, तोःकना डंडी, जेठ्ठे डंडी।

2) **कत्थडंडी :**

**टीप :**

| | |
|---|---|
| 1) परिदका जातियर | 6) जिया ख़ोदख़र'ई |
| 2) असारी करम | 7) छोटानागपुर |
| 3) अचरन ची अयंग | 8) ख़ेख़ेल ख़जंपा |
| 4) ख़ेख़लन कम'आ सोना | 9) जूःड़ी |
| 5) अड़खा–चेख़ेल | 10) नीन जूःडी |

## खण्ड –ग

गद्य साहित्य

1) **ख़ीरी :**

**टीपः**

| | |
|---|---|
| 1) असुरर दरा लोधरर | (6) पुरखर गहि कुंडी |
| 2) कुँङखर गहि रूइदास ती भोंगना | 7) चन्दो अरा बीःड़ी |
| 3) मुन्धता कुँङखर गहि ख़ीरी | 8) मानी गहि दिन जीत मनी |
| 4) चिच्च–चेंप | 9) कुँङखर गहि नेग धरम |
| 5) करमस अरा धरमस | (10) लूर मलका देवान |

**2) कत्थ ख़ीरी :**

**टीप :**

| | |
|---|---|
| 1) अंजेला | (5) झरियो मला झरना |
| 2) पचगी परिया | 6) ठक'उर उन्दुल ठकरनर |
| 3) कुकोय बरात | 7) उढ़ारी |
| 4) लॉटरी | 8) सक्क |

**3) लीला (नाटक)**

4) **कत्थपंडी कत्थटूड**

**उराँव साहित्यकार–**

| | | | |
|---|---|---|---|
| • डॉ० निर्मल मिंज | • डॉ० हरि उराँव | • दवले कुजूर | • अहलाद र्तिकी |
| • इन्द्रजीत उराँव | • बिहारी लकड़ा | • बेचन उराँव | • पी०सी० बेक |

# हिन्दी

1. भाषा

हिन्दी की उत्पत्ति

पुरानी हिन्दी अवहट्ट

डिंगल

भाषा के विभिन्न रूप :– रचनात्मक भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा, संचार भाषा।

हिन्दी का शब्द भंडारः– तत्सम्, तद्भव, देशज, विदेशज।

भाषा विज्ञान :– भाषा की परिभाषा, उत्पत्ति, विकास, ध्वनि परिवर्तन और अर्थ परिवर्तन।

साहित्य सिद्धान्त :– काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन, शब्द–शक्ति, रस, छंद, अंलकार।

पाश्चात्य साहित्य सिद्धान्तः–प्लेटो, वर्ड्सवर्थ, मैथ्यू आर्नल्ड, आइ0ए0 रिचर्ड्स, टी0एस, इलियट के सिद्धान्त।

प्रयोजनमूलक हिन्दी :– अवधारणा, प्रशासनिक हिन्दी, प्रशासनिक पत्राचार, संक्षेपण, टिप्पण, प्रारूपण, प्रतिवेदन।

2. साहित्य

(क) काव्य

निर्धारित कवि– विद्यापति, कबीर, सूरदास, तुलसीदास, बिहारी, रसखान, भूषण।

(ख) काव्य वीथि

निर्धारित कवि– भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, मैथिलीशरण गुप्त, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा, जयशंकर प्रसाद, रामधारी सिंह दिनकर, अज्ञेय, नागार्जुन, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना और धूमिल।

3. उपन्यास

क. गोदान – प्रेमचन्द।

ख. मैला आँचल – फणीश्वर नाथ रेणु।

ग. रागदरबारी – श्रीलाल शुक्ल।

4. कहानियाँ

क. मधुआ – जयशंकर प्रसाद

ख. ठाकुर का कुआँ – प्रेमचन्द

ग. नीलम देश की राजकन्या– जैनेन्द्र कुमार

घ. परिन्दे – निर्मल वर्मा

ड. दिल्ली में एक मौत– कमलेश्वर

च. वापसी – उषा प्रियवंदा

छ. अभिशप्त – यशपाल

ज. मिसपाल – मोहन राकेश

5. **नाटक**

क. भारत–दुदर्शा– भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

ख. ध्रुव स्वामिनी– जयशंकर प्रसाद

ग. आधे– अधूरे– मोहन राकेश

**हिन्दी साहित्य का इतिहास–**

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास– रामचन्द्र शुक्ल

2. हिन्दी साहित्य का इतिहास– सं0 डॉ0 नागेन्द्र

व्याकरण :– संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, कारक, समास, मुहावरे।

# English Language and Literature

1. Language

I. Error Recognition

II. Fill in the Blanks

III. Vocabulary

IV. Spellings

V. Grammar- Adjective, noun, pronoun, verb, subject-verb Agreement, Interchangeability of noun and Verb, Gerund, Participle, Infinitive, Adverb, tense, Clause, Transformation, Narration, Voice, Preposition.

VI. Sentence Structure

VII. Synonyms

VIII. Antonyms

IX. Sentence Completion

X. Idioms & Phrases

XI. Comprehension Passage etc.

2. Literature

- **Novel-** Old man and the Sea- Earnest Hemingway; The Painter of signs- R.K. Narayan; The Power and the Glory- Graham Greene; Fasting, Feasting- Anita Desai
- **Drama-** The Tempest- William Shakespeare; Dr. Faustus- Christopher Marlowe; Final Solutions- Mahesh Dattani, Hayavadana- Girish Karnard.
- **Poetry-** Sonnet-29- William Shakespeare; The Rainbow- William Wordsworth; The Traveller- Walter De La Mare; Lead Kindly Light- Cardinal Newman; the Splendour Falls- Alfred Lord Tennyson; Ode to a Nightiangle - John Keats; The Hollow Men- T.s. Eliot; Telephone conversation- Wole soyinka; A River- A.K. Ramanujan

- **Short Stories**- A Snake in the Grass- R.K. Narayan; The Castaway- Rabindranath Tagore; The man of the House- Frank O'Connor; The Flood- Kamala Markandaya; The country of the Blind- H.G. Wells; The basement Room- Graham Greene.
- **Essay-** Voluntary Poverty- M.K. Gandhi; Discipline for Daily Life- Lewis Mumford; The Civilization of To-day- C.E.M. Joad; Letter to a Teacher- Nora Rossi and Tom Cole (Trans.); Kamala Nehru- Jawaharlal Nehru.
- **History of the English Language** : A History of English Lanaguage- A.C. Baugh, Origins of the English Language- Joseph Willies.
- **Phonetics** - A Text Book of English Phonetics for Indian students- Balasubramaniam, A Course in Phonetics - P. Ladefoged.

# संस्कृत भाषा

1. भाषा विज्ञान,

2. संस्कृत साहित्य का इतिहास,

3. वैदिक साहित्य (वेद, ब्राह्मण, आख्यक, उपनिषद्)

4. वेदाङग, (शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरूक्त, ज्योतिष और छनद)

5. व्याकरण – स्वर–व्यंजन, वर्ण, स्वर, ध्वनि, पद, वाक्य, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रियाविशेषण, अव्यय, शब्द रूप, धातु रूप, कृत् प्रत्यय, तद्धित प्रत्यय, स्त्री प्रत्यय, सन्धि, समास तथा वाक्य रचना पर आधारित होंगे।

पूर्वमेध (कालिदास), उत्तररामचरित (भवभूति), अभिज्ञान शाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक), कादम्बरी (शुक नाशोपदेश), भिक्षुपाल वद्य (प्रथम सर्ग), किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) तथा शिवराज विजय ग्रन्थों से भी बहुवैकल्पिक प्रश्न पूछे जायेंगे।

**शब्द रूप निम्न शब्दों के (सातों विभक्तियों में)**

बालक, लता, नदी, मुनि, गुणिन्, साधु, भवत्, अस्मद्, युस्मद्, तत् ( तीनों लिङ्गों में), सर्व, युवती, लेखनी, रेणु, पयस्, वस्तु तथा आत्मन्।

**धातु रूप (लट्, लोट्, विधि लिङ्ग, लङ् तथा लृट् लकारों में)**

पठ्, गम्, दृश्, पा्, हन्, भू, अस्, नृत्, लिख्, दिश्, मुच्, स्था्, यच्छ्, शच्, तथा अर्च्।

# परिशिष्ट–XIII

# तकनीकी / विशिष्ट विषयों का पाठ्यक्रम

## मनोविज्ञान (Psychology)

i. मनोविज्ञान का विषय क्षेत्र (The Scope of Psychology)– सामाजिक और व्यवहारिक विज्ञान के परिवार में मनोविज्ञान का स्थान।

ii. मनोविज्ञान की पद्धतियाँ (Methods of Psychology)- मनोविज्ञान की प्रणालीतंत्रीय समस्याएँ मनोवैज्ञानिक अनुसंधान का सामान्य, अभिकल्प। मनोवैज्ञानिक अनुसंधान के प्रकार, मनोवैज्ञानिक मापन की विशेषताएँ।

iii. मानव व्यवहार की प्रकृति, उद्‌गम और विकास (The nature origin and development of human behaviour)- आनुवंशिकता तथा पर्यावरण, सांस्कृतिक कारक तथा व्यवहार समाजीकरण की प्रक्रिया, राष्ट्रीय चरित्र की संकल्पना।

iv. संज्ञानात्मक प्रक्रियाएँ (Cognitive Processess)- प्रत्यक्ष ज्ञान, प्रत्यक्ष ज्ञान के सि़द्धांत, प्रत्यक्ष ज्ञान संगठन, व्यक्ति प्रत्यक्ष प्रात्यज्ञिक रक्षा, प्रत्यक्षन ज्ञान का कार्यात्मक उपागम, प्रत्यक्ष ज्ञान तथा व्यक्तित्व, आकृति अनुप्रभाव, प्रत्यक्ष ज्ञान शैली प्रात्यक्षिक अपसामान्य, सतर्कता।

v. अधिगम (Learning)– संज्ञानात्मक, क्रिया प्रसूत तथा क्लासिकल अनुकूलन उपागम, अधिगम परिघटना विलोप, विभेद और सामान्यकरण, विभेद अभिगत, प्राथमिकता अधिगम, प्रागामिक अधिगम।

vi. स्मरण (Remembering)– स्मरण के सिद्धांत अल्पकालिक स्मृति, दीर्घकालिक स्मृति, स्मृति का मापन, विस्मरण, संस्मृति।

vii. चिन्तन (Thinking)– समस्या समाधान, संकल्पना, निर्माण, संकल्पना निर्माण का रचना कौशल, सूचना प्रक्रिया, सर्गनात्मक चिन्तन, अभिसारी तथा उपासारी चिन्तन, बालकों में चिन्तन के विकास के सिद्धांत।

viii. बुद्धि (Intelligence)– बुद्धि की प्रकृति, बुद्धि का मापन, सृजनात्मकता का मापन, अभिक्षमता का मापन, सामाजिक बुद्धि की संकल्पता।

ix. अभिप्रेरण (Motivation)- अभिप्रेरित व्यवहार की विशेषताएँ, अभिप्रेरण के उपागम, मनोविश्लेशी सिद्धांत, अन्तर्नोद सिद्धांत, आवश्यकता अभिक्रम सिद्धांत, संदेश कर्षण शक्ति उपागम, अकांक्षा स्तर की संकल्पना, अभिप्रेरण के मापन, विरक्त तथा विमुख व्यष्टि, प्रेरक।

x. व्यक्तित्व (Personility)– व्यक्तित्व की संकल्पना, विशेषक और प्रकार उपागम कारकीय तथा आयामीय उपागम, व्यक्तित्व के सिद्धांत फ्राड, अलपोर्ट मूरे, केटल, सामाजिक अभिगम सिद्धांत तथा

क्षेत्र सिद्धांत, व्यक्तित्व के भारतीय उपागम गुणों की संकल्पना, व्यक्तित्व मापन, प्रश्नवली निर्धारण मापनी, मनोविज्ञान परीक्षण, प्रक्षेमी परीक्षण प्रेक्षण प्रणाली।

xi. भाषा और संप्रेषण (Langauge and Communication)– भाषा का मनोवैज्ञानिक आधार, भाषा विकास के सिद्धांत स्किनर और चमिस्को, अव्शाश्दिक, सम्प्रेषण, कार्यभाष प्रभावी संप्रेषण स्त्रोत और ग्रहीता की विशेषताएँ, अनुभवी संप्रेषण।

xii. अभिवृत्तियाँ और मूल्य (Attitudes and Values)– अभिवृत्तियों की संरचना, अभिवृत्तियों की बनावट, अभिवृत्तियों के सिद्धांत, अभिवृतिय मापन, अभिवृत्ति मापनी के प्रकार, अभिवृत्त परिवर्तनक का सिद्धांत, मूल्य, मूल्यों के प्रकार, मूल्यों के अभिप्रेरणीय गुणनर्म, मूल्यों का मापन।

xiii. अभिनव प्रवृत्तियाँ (Recent Trends)– मनोविज्ञान और कम्प्युटर, व्यवस्कर का संतात्रिकी मॉडल, मनोविज्ञान में अनुरुपता अध्ययन, चेतना का अध्ययन, चेतना की परिवर्त्तित स्थितियाँ, निद्रा, स्वप्न, ध्यान और सम्मोहन आत्माविस्मृति, मादक द्रव्य उत्प्रेरित परिवर्त्तन संवेदन वंचन, विमानन और अंतरिक्ष उड़ान में मानव समस्याएँ।

xiv. मानव के मॉडल (Models of Man)– यांत्रिक मानव, जैविक मानक, संगठनात्मक मानव मानवतावादी मानव, व्यवहार परिवर्त्तन के विभिन्न प्रतिरुपों के निहितार्थ, एक एकीकृत प्रतिरुप।

xv. व्यक्तिगत विभिन्नताएँ (Individual Difference)– व्यक्तिगत विभिन्नताओं का मापन, मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के प्रकार, मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का निर्माण, अच्छे मनौवैज्ञानिक परीक्षण की विशेषताएँ, मनोवैज्ञानिक परीक्षण की सीमाएँ।

xvi. मनोवैज्ञानिक विकार (Psychological Approaches)– विकारों का वर्गीकरण तथा रोग वर्गीकरण प्रणालियाँ, तांत्रिका, तापीय, मनस्तापी और मनोदैहिक विकास, मनोविकृत व्यक्तित्व, मनोवैज्ञानिक विकारों के सिद्धांत, चिन्ता अवसाद तथा खिंचाव की समस्या।

xvii. चिकित्सात्मक उपागम (Therapeutic Approaches)– मनोगतिक उपागम, व्यवहार चिकित्सा, रोग केन्द्रिक चिकित्सा, संज्ञानात्मक चिकित्सा, समूह चिकित्सा।

xviii. संगठनात्मक तथा औद्योगिक समस्याओं में मनोविज्ञान का अनुप्रयोग वैयक्तिक चयन, प्रशिक्षण, कार्य अभिप्रेरण, सिद्धांत कृत्य अभिकल्पन, नेतृत्व प्रशिक्षण, सदभागी प्रबंध।

xix. लघु समूह (Small Groups)- लघु समूह के संकल्पना, समूह के गुणधर्म, कार्यरत समूह, समूह व्यवहार के सिद्धांत, समूह व्यवहार की मापक अन्तक्रिया प्रक्रिया विश्लेषण, अन्तव्यक्ति सम्बंध।

xx. सामाजिक परिवर्त्तन (Social Change)– समाज परिवर्त्तन की विशेषताएँ, परिवर्त्तन में मनोवैज्ञानिक आधार परिवर्त्तन प्रतिरोध प्रतिरोधिक कारक प्रतिवर्त्तन प्रायोजन परिवर्त्तन प्रवणता की संकल्पना।

xxi. मनोविज्ञान तथा अधिगम प्रक्रिया (Psychology and Learning Process)– शिक्षार्थी समाजीकरण के कर्त्ता के रुप में विद्यालय, अधिगम स्थितियों में किशोरों से संबंधित प्रतिभाशाली और संदित बालक तथा उनके प्रशिक्षण से संबंधित समस्याएँ।

xxii. सुविधावंचित समूह (Disadvantage groups)– प्रकार : सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक सुविधावंचन के मनावैज्ञानिक फल वंचन की संकल्पना, सुविधावंचित समूहों की शिक्षा, सुविधा वंचित समूहों के अभिप्रेरण की समस्याएँ।

xxiii. मनोविज्ञान तथा सामाजिक एकीकरण की समस्या (Pshchology and Problem of Social Intergration)- सजातीय पुर्वग्रह की समस्या, पुर्वग्रह की प्रकृति, पूर्वग्रह की अभिव्यक्ति, पूर्वग्रह का विकास, पूर्वग्रह का मापन, पूर्वग्रह का सुधार, पूर्वग्रह और व्यक्तित्व, सामाजिक एकीकरण के उपाय।

xxiv. मनोविज्ञान तथा आर्थिक विकास (Psychology and Economic Developments) – उपलब्धि अभिप्रेरण की प्रकृति, उपलब्धि अभिप्रेरण, उद्यमशीलनता संवर्द्धन उद्यमशीलनता संरक्षण प्रौद्योगिकीय परिवर्त्तन तथा मानवीय व्यवहार पर इसका प्रभाव।

xxv. सूचना का प्रबंध और संरचन (Management of Information and Communication) - सूचना प्रबंध में मनोवैज्ञानिक कारक, सूचना अतिभार, प्रभावी संचरण के मनोवैज्ञानिक आधार जन संचार और सामाजिक मे उनकी भूमिका दूरदर्शन का प्रभाव, प्रभावी विज्ञापन का मनोवैज्ञानिक आधार।

xxvi. समकालीन समाज की समस्याएँ (Problems of Contemporary Society)– खिंचाव, खिचांव का प्रबंध, मद्यव्यसनता तथा मादक द्रव्य व्यसन सामाजिक विसामान्य, किशोर अपचार अपराध विसामान्य का पुनः स्थापन वयोदृद्धों की समस्याएँ।

## समाजशास्त्र (SOCIOLOGY)

i. सामाजिक घटनाओं का वैज्ञानिक अध्ययन (Scientific Study of Social Phenomena)–समाजशास्त्र का आविर्भाव, अन्य शिक्षा शाखाओं से इसका संबंध, उनका क्षेत्र विस्तार एवं संबंधी धारणायें विज्ञान और सामाजिक व्यवहार का अध्यन यथार्थता, विश्वसनीयता एवं समस्याएँ। वैज्ञानिक विधि एवं भाषा, उनका अर्थ उद्देश्य प्रकार तत्व एवं विशेषताएँ। सामाजिक अनुसंधान संरचना, तथ्य संकलन एवं तथ्य विश्लेषण की विधियाँ अभिवृत्ति मापन समस्याएँ एवं तकनीकि शैली (स्केल्स) : आर0 एम0 मेकाइवर की कार्य कारण अवधारणा।

ii. समाजशास्त्रके क्षेत्र में पथ–प्रदर्शक योगदान(Pioneering Contributions to Sociology)–सैद्धान्तिक प्रारंभ एवं विकासवाद के सिद्धांत– कॉम्ट, स्पेन्सर तथा मॉर्गनः ऐतिहासिक समाजशात्र– कार्ल मार्क्स, मैक्स बेबर एवं पी0ए0, सरोकिन : प्रकार्यवाद– ई0 दुरखेम, पैरेटो, पार्सन्स एवं मर्टन। संघर्षवादी सिद्धांत : गुमलोविज, डहरेनहार्फ एवं कोबर, समाजशास्त्र के आधुनिक विचारधाराएँ। सम्पूर्णालक एवं अल्पार्थक समाजशास्त्र, मध्यम स्तरीय सिद्धांत, विनिमय सिद्धांत।

iii. सामाजिक संरचना एवं सामाजिक संगठन (Social Structure and Social Organization)–अवधारणा एवं प्रकार, सामाजिक संरचना संबंधित विचारधाराएँ, संरचना प्रकार्यवादी मार्क्सवादी सिद्धांत, सामाजिक संरचना के तत्व, व्यक्ति एवं समाज, सामाजिक अन्तः क्रिया, सामाजिक समूह–अवधारणाएँ एवं प्रकार, सामाजिक स्तर एवं भूमिका, उनके निर्धारक एवं प्रकार, सरल समाजों में भूमिका के विभिन्न परिमाण, भूमिका संघर्ष, सामाजिक जाल, अवधारणा एवं प्रकार संस्कृति एवं व्यक्तित्व अनुरूपता एवं सामाजिक नियंत्रण की अवधारणा। सामाजिक नियंत्रण के साधन, अल्पसंख्यक समूह बहुसंख्यक एवं अल्पसंख्यक संबंध।

iv. सामाजिक स्तरीकरण एवं गतिशीलता (Social Stratification and Mobility)- सामाजिक स्तरीकरण के अवधारणा, प्रभाव एवं प्रकार, असमानता एवं स्तरीकरण, स्तरीकरण के आधार एवं परिमाण, स्तरीकरण संबंधी विचारधाराएँ, प्रकार्यवाद एवं संघर्षवाद विचारधाराएँ, सामाजिक स्तरीकरण एवं सामाजिक गतिशीलता, संस्कृतिकरण एवं पश्चिमीकरण, गतिशीलता के प्रकार अन्तर्पिढ़ी गतिशीलता, उदग्र गतिशीलता बनाम क्षैतिज गतिशीलता, गतिशीलता के प्रतिरूप।

v. परिवार, विवाह एवं नातेदारी (Family marriage and Kinship)–संरचना, प्रकार्य एवं प्रकार, समाजिक परिवर्तन एवं आयु एवं स्त्री–पुरुष भूमिकाओं में परिर्वतन, विवाह, परिवार एवं नातेदारी में परिवर्तन, प्राद्योगिक समाज में परिवार का महत्व।

vi. औपचारिक संगठन (Formal Organizations)–औपचारिक तथा अनऔपचारिक संगठनों के तत्व, नौकरशाही प्रकार्य अकार्य एवं विशेषताएँ नौकरशाही एवं राजनैतिक विकास, समाजिकरण एवं राजनैतिक सहभगिता, सहभागिता के विभिन्न रूप सहभागिता के लोकतंत्रिक तथा सत्तात्मक स्वरूप, स्वैच्छिक मण्डली।

vii. आर्थिक प्रणाली (Economic System)–सम्पत्ति की अवधारणाएँ, श्रम विभाजन के समाजिक प्रतिमाण, विनिमय के विभिन्न प्रकार, पूर्व औद्योगिक एवं औद्योगिक अर्थ व्यवस्था के अर्थ–व्यवस्था का सामाजिक पक्ष, औद्योगिकरण तथा राजनीतिक, शैक्षिक, धार्मिक, पारिवारिक एवं स्तरविन्यासी क्षेत्रों में परिवर्त्तन, आर्थिक विकास के निर्धारक तत्व एवं उनके परिणाम।

viii. राजनीतिक व्यवस्था(Political System)–राजनीतिक व्यवस्था की अवधारणा, तत्व प्रकार, राजनीतिक व्यवस्था के प्रकार्य, राजनीतिक व्यवस्था के अन्तर्गत संस्थाएँ, व्यक्ति समूह, राजनीतिक संगठनों, राजनीतिक दल एवं अन्य साधनों के संदर्भ में राजनीतिक प्रक्रियाएँ, शक्ति प्राधिकार एवं वैधता की अवधारणाएँ, आधार एवं प्रकार, राज्यविहीन समाज की परिकल्पना राजनीतिक सामाजिककरण बनाम राजनीतिक भागीदारी : राज्य की विशेषताएँः प्रजातंत्रात्मक एवं सत्तात्मक राजनीतिक व्यवस्था के अन्तर्गत सम्भ्रान्त वर्ग एवं जनसमूह की शक्ति, राजनीतिक दल एवं मतदान, नायकत्व, प्रजातांत्रिक व्यवस्था एवं प्रजातांत्रिक स्थिरता।

ix. शैक्षिक प्रणाली (Educational System)– शिक्षा की अवधारणा के उद्देश्य, शिक्षा पर प्रकृतिवाद, आदर्शवाद एवं पाण्डित्यवाद के प्रभाव : समाज, अन्तर्राष्ट्रीय संबंध, प्रजातंत्र व्यवस्था एवं राष्ट्रवाद के संदर्भ में शिक्षा का महत्त्व, शिक्षा के नये झुकाव, शिक्षा एवं सामाजिककरण में विभिन्न साधन–परिवार विद्यालय, समाज राज्य एवं धर्म की भूमिका। जनसंख्या शिक्षा–अवधारणा एवं तत्त्व। सांस्कृतिक पुनर्जन्म, सैद्धान्तिक मतारोपन, सामाजिक स्तरीकरण, गतिशीलता एवं आधुनिकीकरण के साधन के रूप में शिक्षा की भूमिका।

x. धर्म (Religion)–धार्मिक तथ्य, पावन एवं अपावन की अवधारणाएँ, धर्म का सामाजिक प्रकार्य एवं अकार्य, जादू–टोना धर्म एवं विज्ञान, धर्मनिरपेक्षीकरण एवं सामाजिक परिवर्तन।

xi. सामाजिक परिवर्त्तन के विकास (Social Change and Development)– सामाजिक परिवर्त्तन के आर्थिक जैविक एवं प्राद्यौगिक कारक, सामाजिक परिवर्त्तन के विकासवादी, प्रकार्यवाद एवं संधर्षवाद सिद्धांत, सामाजिक परिवर्त्तन, आधुनिकीकरण एवं उन्नति प्रजातंत्रीकरण, समानता एवं सामाजिक न्याय : सामाजिक पुनर्निर्माण।

xii. भारतीय समाज (Indian Society)–पारम्परिक हिन्दु सामाजिक संगठन की विशेषताएँ; विभिन्न समय के समाजिक सांस्कृतिक परिवर्त्तन; भारतीय समाज पर बौद्ध, इस्लाम तथा आधुनिक पश्चिम का प्रभाव। निरन्तरता और परिवर्त्तन के कारक तत्व।

xiii. सामाजिक स्तरीकरण (Social Stratification)–जाति व्यवस्था एवं इसके रूपान्तरण, जाति के संदर्भ में आर्थिक संरचनात्मक एवं सांस्कृतिक मत; जातिप्रथा की उत्पत्ति, हिन्दू एवं गैर हिन्दु जातियों में असमानता एवं सामाजिक न्याय की समस्याएँ। जाति गतिशीलता जातिवाद, पिछड़ी जाति बनाम पिछड़े वर्ग, अनुसूचित जाति एवं अस्पृश्यता, अनुसचित जातियों में परिवर्त्तन, अस्पृश्यता का उन्मूलन; औद्योगिक एवं कृषि प्रधान समाज की संरचना; मंडल कमीशन एवं सुरक्षा नीति के अन्तर्गत झारखण्ड के अन्तर्जातीय सम्बन्धों के बदलते झुकाव।

xiv. परिवार विवाह एवं नातेदारी (Family Marriage and Kinship)–संगोत्रता व्यवस्था में क्षेत्रीय विविधता एवं उनके सामाजिक सांस्कृतिक सह संबंध, संगोत्रता के बदलते पहलू, संयुक्त परिवार प्रणाली, इसका संरचनात्मक एवं व्यवहारिक पक्ष, इसके बदलते रूप एवं विघटन, विभिन्न नृजातिक समूहों आर्थिक एवं जाति वर्गों में विवाह, भविष्य में उनके बदलते प्रकृति, परिवार एवं विवाह पर कानून तथा सामाजिक–आर्थिक परिर्वत्तनों के बढ़ते पीढ़ि, अन्तराल एवं युवा असंतोष, महिलाओं की बदलती स्थिति, महिला एवं सामाजिक विकास। झारखण्ड में अन्तर्जातीय विवाह–कारण एवं परिणाम।

xv. आर्थिक प्रणाली (Economic System)–जजमानी व्यवस्था एवं पारम्परिक समाज पर उसका प्रभाव बाजार, अर्थव्यवस्था और उसके सामाजिक परिणाम, व्यवसायिक विविधिकरण एवं सामाजिक संरचना, व्यवसायिक मजदूर संध, आर्थिक विकास के सामाजिक निर्धारक तथा उनके परिणाम, आर्थिक असमानताएँ, शोषण और भ्रष्टाचार, झारखण्ड के आर्थिक पिछड़ापन के कारण, झारखण्ड के आर्थिक विकास की सम्भाव्यता, झारखण्ड के संदर्भ में आर्थिक वृद्धि एवं सामाजिक विकास के सह संबंध।

xvi. राजनीतिक व्यवस्था(Political System)–पारम्परिक समाज में प्रजातांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था के प्रकार्य, राजनीतिक दल एवं उनकी सामाजिक संरचना, राजनीतिक सम्भ्रान्त वर्ग को उत्पत्ति एवं उनका सामाजिक लगाव, शक्ति का विकेन्द्रीकरण, राजनीतिक भागीदारी, झारखण्ड में मतदान का स्वरूप, झारखण्ड के मतदान प्रणाली में जाति समुदाय एवं आर्थिक कारकों की अनुरूपता, इसके बदलते आयाम, भारतीय नौकरशाही का प्रकार्य, अकार्य एवं विशेषता, भारत में नौकरशाही एवं राजनीतिक विकास, जनप्रभुसत्ता समाज, भारत में जन आन्दोलन के सामाजिक एवं राजनीतिक स्त्रोंत।

xvii. शिक्षा व्यवस्था (Educational System)– पारम्परिक एवं आधुनिक के संदर्भ में समाज एवं शिक्षा, शैक्षणिक असमानताएँ एवं परिवर्त्तन, शिक्षा एवं सामाजिक गतिशीलता, महिलाओं के शिक्षा की समस्याएँ पिछड़े वर्ग एवं अनुसूचित जातियों, झारखण्ड में शैक्षणिक पिछड़ेपन के कारण, झारखण्ड में अनियोजित रूप से पनपते संस्थानों के प्रकार्य एवं अकार्य पक्ष। झारखण्ड में उच्च शिक्षा की समस्याएँ एवं सम्भावनाएँ, नई शिक्षा नीतियाँ, जन शिक्षा।

xviii. धर्म (Religion)–जनसंख्यात्मक परिमाण, भौगोलिक वितरण एवं पड़ोस, प्रमुख धार्मिक समुदायों के जीवन शैली, अर्न्तधार्मिक अन्तः क्रियाएँ एवं धर्मपरिवर्त्तन के रूप में इनका प्रकाशन, अल्पसंख्यक के स्तर, संचार एवं धर्मनिरपेक्षता, भारत के जाति व्यवस्था पर विभिन्न धार्मिक आंदोलनों – बौद्ध, जैन, ईसाई, इस्लाम, ब्रह्मसमाज एवं आर्य समाज के आंदोलनों के प्रभाव, झारखण्ड में पश्चिमीकरण एवं आधुनिकरण, संयुक्तक एवं अलगाव संबंधी कारक, भारतीय सामाजिक संगठन पर धर्म एवं राजनीति के बढ़ते अन्तःक्रिया का प्रभाव।

xix. जनजाति समाज (Tribal Societies)–भारत के प्रमुख जनजातीय समुदाय, उनकी विशिष्ट विशेषताएँ, जनजाति एवं जाति, इनका सांस्कृतिक आदान–प्रदान एवं एकीकरण, झारखण्ड की जनजातियों के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक समस्याएँ, जनजाति–कल्याण के विभिन्न विचारधाराएँ, उनके संवैधानिक एवं राजकीय सुरक्षा, भारत में जनजाति आन्दोलन, तानाभगत आन्दोलन, बिरसा आन्दोलन एवं झारखण्ड आन्दोलन, जनजाति के विकास में उनका महत्वपूर्ण स्थान।

xx. ग्रामीण समाज व्यवस्था एवं सामुदायिक विकास (Rural Social System and Community Development)– ग्रामीण समुदाय के सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयाम, पारम्परिक शक्ति संरचना, प्रजातांत्रकरण एवं नेतृत्व, गरीबी, ऋणाग्रस्तता एवं बंधुवा मजदूरी, भूमि सुधार के परिणाम, सामुदायिक विकास योजना कार्यक्रम तथा अन्य नियोजित विकास कार्यक्रम तथा हरित क्रांति ग्रामीण विकास की नई नीतियाँ।

xxi. शहरी सामाजिक संगठन (Urban Social Organization)– सामाजिक संगठन के पारम्परिक कारकों, जैसे संगोत्रता जाति और धर्म की निरन्तरता एवं उनके परिवर्तन शहर के संदर्भ में; शहरी समुदायों में सामाजिक स्तरीयकरण एवं गतिशीलता; नृजातिक अनेकता एवं सामुदायिक एकीकरण, शहरी पड़ोसदारी, जनसांख्यिकीय एवं सामाजिक–सांस्कृतिक लक्ष्यों में शहर तथा गांव में अन्तर तथा उनके सामाजिक परिणाम।

xxii. जनसंख्या गतिकी (Population dynamics)- जनसंख्या वृद्धि सम्बंधित सिद्धांत–माल्थस, जैविकीय, जनसांख्यिकीय परिवर्त्तन, सर्वाधिक जनसंख्या, जनसंख्या संरचना के सामाजिक सांस्कृतिक पक्ष (लिंग, उम्र, वैवाहिक स्तर), जन्मदर, मृत्युदर एवं स्थानान्तरण के कारक, भारत में जनसंख्या नीति की आवश्यकता जनाधिक एवं अन्य निर्धारक लक्ष्य, जनाधिक्य के मानसिक, सांस्कृतिक तथा आर्थिक निर्धारक एवं भारत में परिवार नियोजन प्रक्रिया के अस्वीकृति में इनकी भूमिका, प्रथम से अष्टम पंचवर्षीय योजनाओं में परिवार नियोजन कार्यक्रम का स्थान। जनसंख्या शिक्षा– अवधारणा, उद्देश्य, पक्ष, साधन एवं जनसंख्या शिक्षा की यंत्रकला।

xxiii. सामाजिक परिवर्त्तन एवं आधुनिकीकरण (Social Change and Modernisation)– भूमिका संघर्ष की समस्या, युवा असंतोष, पीढ़ियों का अन्तर, महिलाओं की बदलती स्थिति, सामाजिक परिवर्त्तन के प्रमुख स्त्रोत एवं परिवर्त्तन के प्रतिरोधी तत्वों के प्रमुख स्त्रोत, पश्चिमी का प्रभाव, सुधारवादी आंदोलन, सामाजिक आंदोलन, औद्योगिकरण एवं शहरीकरण, दबाव समूह, नियोजित परिवर्त्तन के तत्व, पंचवर्षीय योजनाएँ, विधायी एवं प्रशासकीय उपाय – परिवर्त्तन की प्रक्रिया–सांस्कृतिकरण, पश्चिमीकरण और आधुनिकीकरण, आधुनिकीकरण के साधन, जनसम्पर्क साधन एवं शिक्षा, परिवर्त्तन एवं आधुनिकीकरण की समस्या, संरचनात्मक विसंगतियाँ और व्यवधान। वर्त्तमान सामाजिक दुर्गुण–भ्रष्टाचार और पक्षपात, तस्करी–कालाधन।

# गृह विज्ञान (Home Science)

**i.** Basic concepts in food & nutrition and Nutrient

Basic terminologies, interrelationship of nutrient, nutrition and health, functions of food Physiological, psychological and social,

Nutrient's Functions, chemistry, dietary sources, properties and clinical manifestations of deficiency/ excess of the following:

- Energy, Carbohydrates, Lipids, Proteins and Fiber
- Fat soluble vitamins-A, D, E and K
- Water soluble vitamins - thiamin, riboflavin, niacin, pyridoxine, folate, vitamin B12 and vitamin C
- Minerals - calcium, phosphorus, iron, zinc, sodium, copper and iodine
- Water

**ii.** Methods of cooking, Food Groups & Principles of meal planning

Dry, moist, frying and microwave cooking, advantages and disadvantages, Nutrient losses, Enhancing the nutritional quality- Supplementation, Germination, Fermentation, Fortification and GM foods: Concept of balanced diet,

Structure, composition, Products, nutritional contribution, Selection and changes during cooking of the following food groups:

Cereals, Pulses, Fruits and vegetables, Milk & milk products, Eggs, Meat, poultry and fish, Fats and Oils, Spices and herbs, Beverages

Importance and Principles of Meal Planning

- Food exchange list
- Factors affecting meal planning and food related behavior
- Methods of assessment of nutrient requirements
- Dietary guidelines and Recommended Dietary Allowances for all groups of Indian Population

**iii.** Preservation techniques, Principles, their applications and Basic food microbiology High temperature, low temperature, Removal of moisture, Irradiation and ad laities.

- Food packaging and labeling: FSSAI, Codex X :
- Introduction to yeast, mold and bacteria - Characteristics and their role in preservation and spoilage of food.
- Hygiene and Waste disposal in relation to food processing.

**iv.** Food laws and Quality Assurance.

- National and International food laws – FSSAI, BIS, AGMARK, Codex and ISO: 22000, ISO: 14000
- Quality Assurance procedures – GMP, GHP, HACCP.

**v.** Nutrition through Lifespan/ Life cycle-

Nutrition during childhood- Growth and development, Growth reference/standards,

RDA, nutritional guidelines, Nutritional concerns, and healthy food choices.

- Infants
- Preschool children
- School children
- Adolescents
- Infant and young child feeding and care - Current feeding practices and nutritional concerns, Guidelines for infant and young child feeding, Breast feeding, Weaning and complementary feeding.
- Assessment and management of moderate and severe malnutrition among children, Micronutrient malnutrition among preschool children.
- Child health and morbidity, Neonatal, Infant and Child mortality, IMR and USMR; link between mortality and malnutrition;

**vi.** Nutrition during adulthood -Physiological changes, RDA, Nutritional guidelines, Nutritional concerns, Energy balance and healthy food choices.

- Adults
- Pregnant women-Nutritional needs during pregnancy, Common disorders of pregnancy (Anemia, HIV infection, Pregnancy induced hypertension), Relationship between maternal diet and birth out-come.
- Lactating mothers-Nutritional needs of nursing mothers and infants, determinants of birth weight and consequences of low birth weight, Breastfeeding biology, Breastfeeding support and counseling
- Elderly

**vii.** Nutrition for special conditions- Nutrition for physical fitness, Sport, Floods and war. Feeding problems in children with special needs

**viii.** Concept and Scope of Public Nutrition, Nutritional problems,

- Definition and multidisciplinary nature of public nutrition
- Concept and scope
- Role of public nutritionist
- Etiology, Prevalence, Clinical features and Preventive strategies of

  Under nutrition Protein energy malnutrition, Nutritional anemia's, Vitamin A deficiency, Iodine deficiency disorders;
  Over nutrition - Obesity, Coronary heart disease, Diabetes, Fluorosis

- National Nutrition Policy and Programmes - Integrated Child Development Services: (ICDS) Scheme Mid day Meal. Programme (MDMP), National programmer for prevention of Anaemia, Vitamin A deficiency, Iodine Deficiency Disorders. Overview of maternal and child nutrition policies and programmes.
- Human Development Indices.

**ix.** Assessment of nutritional Status

- Objectives and importance,
- Methods of assessment
  - **a.** Direct- Clinical signs, Nutritional anthropometry, Biochemical tests, Biophysical tests
  - **b.** Indirect- Diet surveys, vital statistics

**x.** Nutrition Education &Food and Nutrition Security

- Objectives, principles and scope of nutrition and health education and promotion
- Behaviour Change Communication
  Appropriate interventions involving different sectors such as Food, Health and Education.
  Concept, Component, Determinants and Approaches
  Overview of Public section programme for improving food and nutrition

**xi.** Introduction to Family Resource Management

- Concept, universality and scope of management
- Approaches of management
- Resources
- Understanding meaning, classification and characteristics of resources, Factors affecting utilization of resources.
- Maximizing use of resources and resource conservation.
- Availability and management of specific resources by an individual/ family
  Application of Management Process in:
  -Event Planning & Execution

**xii.** Family, Type, Functions, Role and responsibility: An overview

**xiii.** Communication:

- Concept and nature, Functions and types of Communication- communication transactions; Formal and informal communication; Verbal and Non-verbal Communication
- Cope of Communication Education, Training and learning industry, Motivation and Management,
- Intrapersonal Communication-Concept, Types and Functions of interpersonal communication, Stages in human relationship development, Small group communication: Types and Functions

- Organizational communication: Concept, Types, Functions and Networks
  Public communication- Concept and Techniques.
  Mass Communication- Concept, Significance, Functions and Elements
  Theories and models of mass communication
  Relationship between culture and communication.
  Communication for social change

**xiv.** Understanding Human Communication for Extension

- Culture and communication- Signs, symbols and codes in communication, tribal Culture of Jharkhand
- Elements, Principles, Models Barriers of Communication
- Concept, Nature and relevance to communication process: Empathy Persuasion Perception Listening –
- Concept, Nature and Philosophy of Extension
- Principles of Extension
- Methods and Media of community outreach; Audio-Visual aids- concept, Classification, Characteristics and Scope.
- Relationship between, Communication, Extension and Development

**xv.** Mass Media

- Communication and mainstream media- Newspaper, Radio, Television and Cinema, ICTS and web based communication
- Print Media: Types, Nature, Characteristics, Reach, Access
  Radio: Types, Nature, Characteristics, Reach, Access.
  Television and cinema: types, nature, characteristics, reach, access.
  ICTS: Types, Characteristics, Reach and Access.

**xvi.** THE CHILDHOOD YEARS

Introduction to Human Development

- Definition, History and Interdisciplinary nature of Human Development.
- Scope and importance of Human Development
- Principles of Growth and Development
- Stages and Factors affecting Development.

Prenatal Development, Birth and the Neonate

- Reproductive health
- Conception, Pregnancy- sign and complications, Birth Process and types of delivery.
- Stages and factors affecting Pre-Natal Development
- Capacities and care of the new born
- Infancy and Preschool years
- Physical and Motor development
- Social and Emotional development
- Cognitive and Language development
- Middle Childhood years
- Physical and motor Development
- Social and Emotional development
- Cognitive and Language development

**xvii.** DEVELOPMENT IN ADOLESCENCEAND ADULTHOOD

**a)** Introduction to Adolescence

- Developmental tasks during Adolescence
- Puberty, Sexual maturity, Nutrition, health, and Psychological well-being
- Self and identity
- Family and peer relationships
- Adolescent interface with media

**b)** Cognitive, Language and Moral development

- Perspectives on cognitive development
- Development of intelligence and creativity
- Adolescent language
- Adolescent morality

**c)** Introduction to Adulthood

- Definitions, Transition from adolescence to adulthood
- Developmental tasks of adulthood
- Physical and physiological changes from young adulthood to late adulthood
- Significance of health, Nutrition, and Well being

**d)** Socio-emotional and Cognitive development

- Diversity in roles and relationships
- Marriage-contemporary trends
- Parenting and grand parenting

**e)** Care and Human Development

- Definition, concepts & relevance of care
- Vulnerable periods in life that require care
- Principles &Components of care

**f)** Well-being and Human Development

- Concept of well-being- Physical, Psychological, Spiritual
- Life crises and well-being
- Factors &Experiences that promote well-being

**g)** Care &Well-being at different stages of life

- Childhood years
- Adolescence
- Adulthood and Old age
- Well-being of caregivers

**h)** Policies, Services & Programs

- School health programs
- Nutrition &Health for all
- Counseling &Yoga